

06 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

1. क्या सचमुच भारत के स्वास्थ्य केंद्र 'ध्वस्त हो गए' हैं?

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

राजव्यवस्था:

1. रिश्वत से वंचित करना:

सामाजिक मुद्दे:

1. हरित नौकरियाँ और लैंगिक असमानता की समस्या:

अर्थव्यवस्था:

1. घरेलू उपभोग की गतिशीलता:
2. गूगल ने कुछ भारतीय ऐप्स को प्ले स्टोर से क्यों हटा दिया?

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. 'विदेशी राज्य अभिनेताओं ने पेटीएम बैंक खातों में अवैध धन जमा किया':
2. विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन और चीनी जहाजों की टक्कर:
3. पारदर्शी फिर भी अभेद्य:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

क्या सचमुच भारत के स्वास्थ्य केंद्र 'ध्वस्त हो गए' हैं?

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित मुद्दे।

विवरण:

- भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र बड़े पैमाने पर जर्जरता और बदनामी के कारण जांच के दायरे में हैं, जो कुछ लोगों द्वारा "भारतीय राज्य की सबसे बड़ी विफलता" को दर्शाता है।
- आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए बनाए गए इन केंद्रों में अक्सर डॉक्टरों, निदान और दवाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है, जो देश के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे की एक गंभीर तस्वीर पेश करता है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में चुनौतियाँ:

- सम्पूर्ण भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों को कर्मचारियों की कमी और अपर्याप्त सुविधाओं से लेकर सामाजिक भेदभाव तक असंख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- आवश्यक संसाधनों के अभाव के कारण कई केंद्र सुलभ और किफायती स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के अपने आदेश को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं, जिससे हाशिए पर रहने वाले समुदायों को महंगे निजी विकल्पों की ओर धकेल दिया जाता है।

- प्रचलित कमियों के बावजूद, हाल के अध्ययनों से कुछ स्वास्थ्य केंद्रों में सुधार के संकेत मिले हैं।
- हालाँकि, प्रगति काफी हद तक सतही बनी हुई है, कई केंद्र अभी भी कम उपयोग, उच्च कर्मचारियों की अनुपस्थिति और सीमित सेवा पेशकश से जूझ रहे हैं। सार्थक सुधार की दिशा में यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेटिंग्स में महिलाओं की भूमिका:

- ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, अक्सर जिला अस्पतालों को चलाने और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों का बड़ा हिस्सा अपने कंधों पर उठाती हैं।
- अपर्याप्त सुविधाओं और सामाजिक भेदभाव जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता लचीलापन और समर्पण का प्रदर्शन कर रही हैं।

सरकारी पहल और बजट आवंटन:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आयुष्मान भारत (Ayushman Bharat) जैसी सरकारी पहलों का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और सामर्थ्य में सुधार करना है।
- हालाँकि, बजट आवंटन अक्सर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देते हैं, जिससे जमीनी स्तर पर प्रगति बाधित होती है।
- हालाँकि भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों के सामने चुनौतियाँ कठिन हैं, लेकिन कुछ राज्यों द्वारा की गई पहलों में आशा की झलक दिखाई देती है।
- हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों ने स्वास्थ्य देखभाल प्रावधान में महत्वपूर्ण सुधार दिखाया है, जो दूसरों को अनुकरण करने के लिए मूल्यवान सबक प्रदान करता है।

भावी कदम:

- भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को सही मायने में बदलने के लिए, केंद्र सरकार से पर्याप्त समर्थन और निवेश आवश्यक है। इसके लिए केवल सांकेतिक उपाय पर्याप्त नहीं होंगे; सार्थक प्रगति के लिए प्रणालीगत मुद्दों को संबोधित करने और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा वितरण को प्राथमिकता देने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता होती है।

सारांश:

- भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं, जहां उन्हें चुनौतियों और सुधार के अवसरों दोनों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि आगे की राह लंबी और कठिन हो सकती है, लेकिन ठोस प्रयास और पर्याप्त समर्थन एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, जहां प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। एक स्वस्थ और अधिक न्यायसंगत समाज के निर्माण के इस साझा लक्ष्य की दिशा में हितधारकों के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करना अनिवार्य है।

संपादकीय-द हिन्दू**संपादकीय:****रिश्वत से वंचित करना:****सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:****राज्यवस्था:**

विषय: संसद और राज्य विधायिका-संरचना, कार्य, कार्य संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।

मुख्य परीक्षा: संसदीय विशेषाधिकार पर उच्चतम न्यायालय का हालिया निर्णय और उसके निहितार्थ।

सन्दर्भ:

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court of India) ने, 25 साल पहले, झामुमो रिश्वत मामले में 'रिश्वत देने वालों' और 'रिश्वत लेने वालों' के बीच एक विवादास्पद अंतर बताया था।

- इस मामले में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार के पक्ष में मतदान करने के लिए सांसदों को किया गया भुगतान शामिल था।

कानूनी उपचार में विसंगति:

- न्यायालय के फैसले ने संसदीय कार्यवाही की रक्षा करने वाले संवैधानिक विशेषाधिकार का हवाला देते हुए रिश्वत प्राप्त करने वालों को अभियोजन से छूट प्रदान की।
- हालाँकि, अजीत सिंह जैसे व्यक्ति, जिन पर भुगतान लेने का आरोप था, लेकिन वोट के दौरान अनुपस्थित थे, जो की अपवाद थे जबकी उन पर मुकदमा चलाया गया था।

संविधान पीठ द्वारा सुधार:

- हाल ही में सात सदस्यीय संविधान पीठ ने इस मुद्दे पर दोबारा विचार किया और पिछले फैसले को पलट दिया।
- बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि संसदीय विशेषाधिकार ([parliamentary privilege](#)) का विस्तार रिश्वतखोरी तक नहीं है, क्योंकि यह विधायिका के आवश्यक कामकाज से संबंधित नहीं है।

संसदीय विशेषाधिकार का स्पष्टीकरण:

- संविधान के अनुच्छेद 105 और 194, बोलने की स्वतंत्रता ([freedom of speech](#)) और विधायकों की स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए, सांसदों या राज्य के विधायकों को रिश्वत के आरोपों से नहीं बचाते हैं।
- फैसला इस बात को रेखांकित करता है कि इस तरह के विशेषाधिकार प्रभावी भागीदारी और बहस को सुविधाजनक बनाने के लिए हैं, न कि भ्रष्ट प्रथाओं को माफ करने के लिए।

जनता की अपेक्षाओं को कायम रखना:

- यह फैसला जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने संसदीय कर्तव्यों में मौद्रिक प्रलोभन से प्रभावित नहीं होना चाहिए।

- यह संसदीय कार्यप्रणाली के केंद्रीय पहलू के रूप में ईमानदारी के सिद्धांत की पुष्टि करता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता सुनिश्चित होती है।

सारांश:

- सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला स्पष्ट करता है कि संसदीय विशेषाधिकार सांसदों को रिश्तखोरी के आरोपों से नहीं बचाता है, जो विधायी कार्यवाही में ईमानदारी की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

हरित नौकरियाँ और लैंगिक असमानता की समस्या:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

सामाजिक मुद्दे:

विषय: महिला एवं महिला संगठन की भूमिका।

मुख्य परीक्षा: हरित अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका।

विवरण:

- भारत में कम कार्बन विकास की ओर संक्रमण/परिवर्तन वर्ष 2047 तक 35 मिलियन हरित रोजगार पैदा कर सकता है।
- हरित नौकरियों को पर्यावरण संरक्षण और बहाली में योगदान देने वाली नौकरियों के रूप में परिभाषित किया गया है।
- संभावित हरित नौकरियों वाले कई क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से महिला प्रतिनिधित्व की कमी है।

हरित नौकरी परिवर्तन में लैंगिक असमानता:

- वैश्विक स्तर पर, महिलाओं की तुलना में पुरुषों द्वारा हरित नौकरियों की ओर तेजी से बदलाव की संभावना अधिक है।

- नवीकरणीय ऊर्जा वृद्धि के बावजूद, सौर छत पर काम करने वाले श्रमिकों में महिलाएँ केवल 11% थीं।
- महिलाएँ परिधान, कपड़ा और भोजन जैसे उद्योगों में केंद्रित हैं, जबकि पुरुष बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर हावी हैं।

महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियाँ:

- सामाजिक मानदंड हरित नौकरी प्रशिक्षण में महिलाओं की भागीदारी को सीमित करते हैं।
- कारकों में तकनीकी भूमिकाओं के लिए कथित अनुपयुक्तता, सुरक्षा चिंताएँ और पारिवारिक बाधाएँ शामिल हैं।
- महिलाओं को एसटीईएम शिक्षा और कार्यबल प्रतिनिधित्व में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

हरित नौकरियों में महिलाओं को सशक्त बनाने का महत्व:

- हरित नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने से श्रम बाजार में लैंगिक पूर्वाग्रहों को दूर किया जा सकता है और महिलाओं की भागीदारी दर को बढ़ावा मिल सकता है।
- दीर्घकालिक लाभों में आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक अवसरों के माध्यम से महिला एजेंसी और सशक्तिकरण को बढ़ाना शामिल है।

लैंगिक अंतर को खत्म करने की रणनीतियाँ:

- डेटा अंतराल को संबोधित करना: महिलाओं के काम के परिदृश्य को समझने के लिए हरित नौकरियों पर लिंग-विभाजित डेटा एकत्र करना।
- महिला उद्यमियों का समर्थन करना: लिंग-केंद्रित वित्तीय नीतियों को लागू करना, संपार्श्विक-मुक्त ऋण प्रदान करना और वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करना।

STEM में महिलाओं को सशक्त बनाना:

- एसटीईएम भागीदारी में अंतर को पाटने के लिए व्यावहारिक शिक्षा, परामर्श, छात्रवृत्ति और जागरूकता बढ़ाना।
- नेतृत्व में महिलाओं को बढ़ावा देना: निम्न-कार्बन विकास रणनीतियों में लिंग-विशिष्ट आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए नेतृत्व पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना।

निष्कर्ष:

- लिंग-न्यायसंगत परिवर्तन के लिए रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, देखभाल कार्य में कमी और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले बहु-आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।
- महिला उद्यमियों और श्रमिकों के लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी और वित्त का लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी महत्वपूर्ण है।
- व्यवसायों को सभी के लिए समावेशी नौकरी के अवसर सुनिश्चित करने के लिए हरित परिवर्तन प्रक्रिया में लैंगिक न्याय और समानता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

सारांश:

- वर्ष 2047 तक भारत में 35 मिलियन हरित नौकरियों की संभावना के बावजूद, लैंगिक असमानताएं बनी हुई हैं, संक्रमण के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है। हरित अर्थव्यवस्था में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सामाजिक मानदंडों और संरचनात्मक बाधाओं पर काबू पाना महत्वपूर्ण है।

घरेलू उपभोग की गतिशीलता:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

विषय: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण निष्कर्ष।

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2022-23 का परिचय:

- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (National Sample Survey Office (NSSO)) ने हाल ही में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (Household Consumption Expenditure Survey (HCES)) 2022-23 की उत्सुकता से प्रतीक्षित तथ्य पत्रक जारी किया है।
- सर्वेक्षण इस बात की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है कि भारत भर में परिवार उपभोग योग्य वस्तुओं पर कैसे खर्च करते हैं और घरेलू विशेषताओं और जनसांख्यिकी पर सहायक जानकारी एकत्र करते हैं।
- यह उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों (Consumer Price Indices) के निर्माण और राष्ट्रीय गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के कुल अनुपात का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डेटा संग्रह में कार्यप्रणाली और नवाचार:

- एचसीईएस 2022-23 में टैबलेट का उपयोग करके आधुनिक, कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार विधियों को अपनाया गया, जिससे डेटा संग्रह और प्रसंस्करण दक्षता में वृद्धि हुई।
- 2,61,746 घरों का एक बड़ा नमूना आकार रणनीतिक रूप से चुना गया था, जो 'न्यू इंडिया' के उपभोग पैटर्न को दर्शाता है।
- प्रश्नावली को समसामयिक वस्तुओं से समृद्ध किया गया था और उपभोग व्यय के व्यापक कवरेज की सुविधा प्रदान करते हुए तीन भागों में विभाजित किया गया था।

अंतर्दृष्टि और प्रकट रुझान:

- ग्रामीण और शहरी भारत में औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) विस्तृत है, जिसमें मुफ्त वस्तुओं के अनुमानित मूल्यों पर विचार करने पर उल्लेखनीय वृद्धि होती है।
- 1999-2000 से 2022-23 तक के रुझान व्यय संरचना में बदलाव दिखाते हैं, जिसमें अनाज पर खर्च किए गए हिस्से में गिरावट और ताजे फलों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर खर्च में वृद्धि शामिल है।

- गैर-खाद्य व्यय, विशेष रूप से टिकाऊ वस्तुओं पर, बढ़ गया है, जो जीवन स्तर में सुधार और बढ़ती जीवनशैली प्राथमिकताओं का संकेत देता है।

एचसीईएस का महत्व और निष्कर्ष:

- कोविड-19 महामारी सहित अन्य चुनौतियों के बीच आयोजित यह सर्वेक्षण लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।
- यह अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र में अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है, जो भारत के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को समझने में योगदान देता है।
- डेटा संग्रह में नवाचार और पारंपरिक प्रथाओं को बनाए रखने के माध्यम से, एचसीईएस विश्वसनीयता का प्रतीक और 'न्यू इंडिया' में आर्थिक नीतियों को आकार देने का एक उपकरण बना हुआ है।

सारांश:

- हाल ही में एनएसएसओ द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2022-23, भारत के उपभोग पैटर्न में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। आधुनिक डेटा संग्रह विधियों और व्यापक विश्लेषण के माध्यम से, यह देश के उभरते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को दर्शाते हुए, व्यय प्रवृत्तियों में बदलाव को उजागर करता है।

गूगल ने कुछ भारतीय ऐप्स को प्ले स्टोर से क्यों हटा दिया?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

विषय: अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: गूगल का एकाधिकार और भारतीय ऐप व्यवसायों पर इसके प्रभाव।

पृष्ठभूमि:

- गूगल (Google) ने 1 मार्च को अपने प्ले स्टोर (Play Store) से लगभग एक दर्जन भारतीय ऐप्स को हटाने की घोषणा की।
- यह कार्रवाई गूगल और भारतीय कंपनियों के बीच वर्षों के विवादों के बाद हुई, जिसमें अदालतों में कानूनी कार्यवाही शामिल थी।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हस्तक्षेप किया, जिससे ऐप्स की बहाली हुई, लेकिन अंतर्निहित समस्या बनी हुई है।

प्लेटफॉर्म शुल्क विवाद:

- मुख्य मुद्दा गूगल के प्लेटफॉर्म शुल्क के इर्द-गिर्द घूमता है, जो डिजिटल सेवाओं की इन-ऐप खरीदारी के लिए 11% से 30% तक है।
- गूगल का तर्क है कि ये शुल्क गूगल प्ले के रखरखाव और एंड्रॉइड पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का समर्थन करते हैं।
- दुनिया भर के कई डेवलपर्स की तरह भारतीय डेवलपर्स भी इन शुल्कों को अत्यधिक मानते हैं। कुछ लोगों ने अदालत में उनका विरोध किया है।

तुलनात्मक विश्लेषण:

- एप्पल (Apple) के विपरीत, जिसे भारत में अपनी कम बाजार पहुंच के कारण समान प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा है, गूगल एंड्रॉइड के माध्यम से स्मार्टफोन बाजार पर हावी है।
- यूरोपीय आयोग में स्पोर्टिफाई (Spotify) की शिकायत और एपिक गेम्स के मुकदमे जैसे उल्लेखनीय मामलों के साथ एप्पल और गूगल को अपनी फीस के खिलाफ वैश्विक विरोध का सामना करना पड़ा है।
- गूगल विश्व स्तर पर तृतीय-पक्ष ऐप स्टोर की अनुमति देता है, लेकिन गूगल प्ले अधिकांश एंड्रॉइड उपकरणों पर पहले से स्थापित है, जो डेवलपर्स के लिए विकल्पों को सीमित करता है।

नियामक प्रतिक्रिया:

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (Competition Commission of India (CCI)) ने अपनी प्ले स्टोर नीतियों के लिए वर्ष 2022 में गूगल पर 936.44 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया।
- गूगल इस जुर्माने और डेवलपर्स के लिए भुगतान विकल्पों के संबंध में सीसीआई के आदेशों के खिलाफ अपील कर रहा है।
- ऐप स्टोर बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए नियामक हस्तक्षेप की आवश्यकता महसूस की गई है, संभावित रूप से वैकल्पिक ऐप स्टोर को सुविधाजनक बनाने और साइडलोडिंग को सक्षम करने जैसे उपायों के माध्यम से।

सारांश:

- उच्च प्लेटफ़ॉर्म शुल्क पर विवादों के कारण गूगल ने भारतीय ऐप्स को हटा दिया। यह तकनीकी दिग्गजों और डेवलपर्स के बीच व्यापक वैश्विक तनाव को दर्शाता है। ऐप स्टोर बाजार में प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए नियामक हस्तक्षेप की मांग की गई है।

प्रीलिम्स तथ्य:**1. विदेशी राज्य अभिनेताओं ने पेटीएम बैंक खातों में अवैध धन जमा किया:**

- वित्तीय खुफिया इकाई (Financial Intelligence Unit (FIU)) ने व्यापक अवैध गतिविधियों में शामिल होने के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (Paytm Payments Bank Limited (PPBL)) पर ₹ 5.49 करोड़ का भारी जुर्माना लगाया है।
- विदेशों से संबंध रखने वाले एक सिंडिकेट द्वारा किए गए इस उल्लंघन में प्रतिबंधित जुआ सेवाओं और धोखाधड़ी वाले डेटिंग प्लेटफार्मों की पेशकश जैसे अवैध संचालन शामिल थे।

सम्बन्धित जानकारी:

- भारतीय कानूनों के उल्लंघन का हवाला देते हुए दो साल पहले हैदराबाद के साइबर अपराध स्टेशन द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के बाद यह अपराध सामने आया।
- एफआईयू की जांच में पीपीबीएल से जुड़े व्यवसायों के एक नेटवर्क का खुलासा हुआ जो प्रतिबंधित गतिविधियों में शामिल था और बैंक के खातों के माध्यम से आय का भुगतान कर रहा था।
- इसके अतिरिक्त, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (Prevention of Money Laundering Act (PMLA)) दिशानिर्देशों के अनुसार संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने और रिपोर्ट करने के लिए आंतरिक तंत्र को लागू करने में विफलता के लिए पीपीबीएल को फटकार लगाई गई थी।

महत्व:

- एफआईयू की कार्रवाइयां अवैध गतिविधियों को कम करने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए वित्तीय संचालन में नियामक अनुपालन को बनाए रखने की अनिवार्यता को रेखांकित करती हैं।

2. विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन और चीनी जहाजों की टक्कर:

संदर्भ:

- दक्षिण चीन सागर के विवादित जल में, चीनी और फिलीपीन तटरक्षक जहाजों के बीच झड़प के कारण तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप चार फिलिपिनो चालक दल के सदस्य घायल हो गए।

मुद्दा:

- यह घटना विवादित सेकंड थॉमस शोल के पास हुई, जहां चीनी जहाजों ने नियमित संचालन करने वाले फिलीपीन तटरक्षक जहाजों को बाधित किया और उनसे टकरा गए।
- चीनी जहाजों से पानी की तोप के विस्फोटों ने एक फिलिपिनो आपूर्ति नाव के शीशे को तोड़ दिया, जिससे मनीला और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों ने निंदा की है।

- यह टकराव क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवादों को रेखांकित करता है, जिसके मेलबर्न में आगामी आसियान (ASEAN) शिखर सम्मेलन में चर्चा में प्रमुखता से शामिल होने की उम्मीद है।

महत्व:

- यह टकराव दक्षिण चीन सागर में अनिश्चित स्थिति और तनाव को कम करने के लिए राजनयिक समाधानों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

3. पारदर्शी फिर भी अभेद्य:

संदर्भ:

- बुलेटप्रूफ सामग्री बैलिस्टिक खतरों के खिलाफ परिष्कृत सुरक्षा के रूप में विकसित हुई है।

मुद्दा:

- सिलिकॉन नाइट्राइड, स्टील और भारी नायलॉन कपड़े की परतों जैसे उच्च शक्ति वाले सिरेमिक से बना बुलेटप्रूफ ग्लास, दुर्जेय सुरक्षा प्रदान करता है।
- प्रभाव पड़ने पर, सिरेमिक घटक अचानक गोली को रोक देता है, इसकी ऊर्जा को नष्ट कर देता है और प्रारंभिक कांच की परतों को नष्ट कर देता है, जबकि इसे एक मोटे जाल में फंसा देता है।
- कसकर बुने गए नायलॉन कपड़े की 16-24 परतों से तैयार किया गया कपड़ा जो की बुलेटप्रूफ जैकेट हैं, नियमित कपड़ों के नीचे पहना जाता है जो पूर्ण-धड़ की सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- 16 परतों वाले जैकेट प्रभावी रूप से हैंडगन और सबमशीन-गन की गोलियों को रोकते हैं, जबकि 24 परतों वाले समान आग्नेयास्त्रों से अधिक शक्तिशाली मैगनम गोलियों के खिलाफ लचीलापन प्रदान करते हैं।

महत्व:

- ये प्रगति सुरक्षा समाधानों की निरंतर खोज को रेखांकित करती है, जिससे उन वातावरणों में सुरक्षा सुनिश्चित होती है जहां खतरे बने रहते हैं।
- जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी अधिक उन्नत होती जा रही है, वैसे-वैसे व्यक्तिगत और संरचनात्मक रक्षा तंत्र के परिदृश्य को नया रूप देते हुए और भी अधिक प्रभावी सुरक्षात्मक सामग्री की खोज जारी है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के इस्तीफे के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को संबंधित राज्य के राज्यपाल को त्याग पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
2. भारतीय संविधान स्पष्ट रूप से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के इस्तीफे के लिए एक विस्तृत प्रक्रिया प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

प्रश्न 2. "संसदीय विशेषाधिकार" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संसदीय विशेषाधिकार एक कार्यशील लोकतंत्र के लिए मौलिक हैं, जो सांसदों को दीवानी या आपराधिक अभियोजन के डर के बिना विधायी मामलों पर स्वतंत्र रूप से खुद को व्यक्त करने की अनुमति देते हैं।

2. संसदीय विशेषाधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105(2) में संहिताबद्ध हैं।
3. संसदीय विशेषाधिकार पूर्ण हैं और संसद सदस्यों के सभी कार्यों तक विस्तारित हैं, चाहे उनकी प्रकृति कुछ भी हो।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) कथन 1
- (b) कथन 2
- (c) कथन 1 और 2
- (d) उपरोक्त सभी

उत्तर: a

प्रश्न 3. "मीथेन गैस" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मीथेन एक ग्रीनहाउस गैस है जो पृथ्वी के वायुमंडल में गर्मी को रोककर ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करती है।
2. मीथेन एक उच्च ग्लोबल वार्मिंग संभावित गैस है - कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में गर्मी को रोकने में अधिक प्रभावी है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सूखी बर्फ जमी हुई नाइट्रोजन से बनी होती है।
2. सूखी बर्फ उत्प्लावित होती है, जिसका अर्थ है कि यह तरल चरण को छोड़ देती है और सीधे गैस में बदल जाती है।

3. बहुत ठंडे तापमान को बनाए रखने की क्षमता के कारण सूखी बर्फ का उपयोग रेफ्रिजरेट के रूप में किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) कथन 2 और 3
- (d) उपरोक्त सभी

उत्तर: c

प्रश्न 5. निम्नलिखित भारी उद्योगों पर विचार कीजिए:

- 1. उर्वरक संयंत्र
- 2. तेल रिफाइनरियां
- 3. इस्पात संयंत्र

उपरोक्त में से कितने उद्योगों को डीकार्बोनाइज करने में हरित हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका होने की उम्मीद है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़े देश की अर्थव्यवस्था में विभिन्न बदलावों को दर्शाते हैं। उपरोक्त कथन के आलोक में, नवीनतम सर्वेक्षण की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, सामाजिक न्याय] (The data of the Household Consumption Expenditure Survey reflects various changes in the country's economy. In light of the above

statement, explain the main features of the latest survey. (10 marks, 150 words) [GS-2, Social Justice])

प्रश्न 2. हरित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को एक स्थायी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने के लिए लैंगिक भेदभाव की स्थिति को भी बदलना होगा। चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-3, अर्थव्यवस्था] (To establish the transition to a green economy as a sustainable economy, the situation of gender discrimination also needs to be changed. Discuss. (15 marks, 250 words) [GS-3, Economy])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)